Title: Regarding the Prime Minister's assurance to create more employment opportunities in the country and steps taken by the Government in this regard.

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, 15 अगस्त, 1998 को देश के प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से यह कहा था कि हम दस वर्षों में 10 करोड़ लोगों को रोजगार देंगे। यही संकल्प राट्रपति जी के अभिभाषण में भी दोहराया गया था। उन्होंने इसके लिए टास्क फोर्स बनाने की भी घोषणा की और कहा गया किâ€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Ramji Lal Suman, this issue was raised only during this week on the 16th August, 2001. बार-बार ऐसा कैसे होगा?

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : पिछले तीन दिन से यही बात हो रही है।

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, बेरोजगारी का सवाल बहुत गम्भीर सवाल है। यह सरकार कुछ नहीं कर रही है और सदन को गुमराह करने का काम किया जा रहा है।â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपने यह इश्यू रेज किया है।

श्री रामजीलाल सुमन : जी नहीं।

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, बोलिये।

श्री रामजीलाल सुमन : मोंटेक सिंह अहलूवालिया की अध्यक्षता में जो टास्क फोर्स गठित किया गया था, उसे जुलाई, 1999 में अपनी रिपोर्ट देनी थी। दो साल बाद वह रिपोर्ट दी गई है। उस रिपोर्ट का लब्बोलुआब यह है कि रोजगार का सृजन नहीं होगा, बल्कि रोजगार घटाने का व्यवस्थित प्रयास होगा। यह अत्यधिक गम्भीर मामला है। सरकार बेरोजगारों को रोजगार देने का काम नहीं कर रही है। 90 के दशक में रोजगार चाहने वालों की संख्या दो से ढाई प्रतिशत तक बढ़ी है, जबकि रोजगार के अतिरिक्त अवसर एक प्रतिशत से भी कम बढ़े हैं। यह बहुत गम्भीर मामला है, लेकिन सरकार देश को गुमराह कर रही है। हिन्दुस्तान में लोगों को व्यवस्थित रूप से रोजगार देने का कोई कार्यक्रम इस सरकार के पास नहीं है।

मैं चाहता हूं कि प्रधानमंत्री ने जो कुछ कहा है, उसकी समीक्षा इस सदन में होनी चाहिए।